ISSN 0974-1100

पूर्वदेवा

सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

PŪRVADEVĀ - A Social Science Research Journal

Peer Reviewed Bilingual International Research Journal
The Journal indexed in the UGC-CARE list.

वर्ष 28 अंक 112 ❊ जनवरी-मार्च, 2023

प्रधान सम्पादक

डॉ. हरिमोहन धवन

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी प्रकाशन

पूर्वदेवा

सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

PŪRVADEVĀ **A Research Journal of Social Sciences**

Peer Revied Bilingual International Research Journal
This Journal is included in the UGC-Consortium for Academic and Research Ethics

वर्ष 28, अंक 112 **जनवरी–मार्च, 2023**

❒

प्रधान सम्पादक
डॉ. हरिमोहन धवन

❒

प्रकाशक
पी.सी. बैरवा

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी
बाण भट्टमार्ग, सेन्ट्रल स्कूल के सामने, उज्जैन (म.प्र) 456010
दूरभाष (0734) 2518737
E-mail : mpdsaujn@gmail.com Website : www.mpdsa.org

पूर्वदेवा

सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

वर्ष 28 अंक 112 जनवरी–मार्च, 2023

❐ अनुक्रम ❐

1. वैदिक कृषि की उन्नति में आधारभूत उपकरण के रूप में 'हल' की विवेचना (वैदिक वांग्मय के विशेष संदर्भ में) – डॉ.प्रशांत कुमार, डॉ. अजीत कुमार राव 1

2. आजादी का अमृत महोत्सव–एक आत्मावलोकन – डॉ. कामना जैन 8

3. छत्तीसगढ़ के छुईखदान रियासत में राष्ट्रीय एवं सामाजिक जागरूकता – दीपक वर्मा 17

4. उत्तराखण्ड में रिवर्स माइग्रेशन एवं उसके सामाजिक–आर्थिक प्रभाव (चम्पावत जिले के संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) –डॉ.देवकीनंदन भट्ट 28

5. सलाहकार के रूप में स्त्रियों की भूमिका–प्राचीन भारत के विशेष सन्दर्भ में – डॉ.सुमिति सैनी 37

6. वज्रयानी बौद्ध देवमंडल में प्रमुख ब्राह्मण देवियों का आत्मसातीकरण – डॉ.सत्यप्रकाश 45

7. उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में अपना दल (सोनेलाल) एक विश्लेषणात्मक अध्ययन – रानी गुप्ता, डॉ. सांत्वना पाण्डे 52

8. भारत में सतत् औधोगिक विकास एवं पर्यावरण–एक समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. के.एल. टाण्डेकर, डॉ. (श्रीमती) मीना प्रसाद 61

9. भारत की जनजातियाँ और वैश्वीकृत सिनेमा में उनका दृष्टांत – डॉ. देबांजना नाग 68

10. गढ़वाल की शिल्पकार जातियों के उत्थान में आर्य समाज की भूमिका (20वीं शताब्दी के विशेष संदर्भ में) – वन्दना आर्य 76

11. अटल विहार आवास योजना का हितग्राहियों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान (छत्तीसगढ राजनांदगाँव के विशेष संदर्भ में) – कु. रागिनी पराटे, डॉ.के.एल.टांडेकर 87

पूर्वदेवा– सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
वर्ष 28, अंक, 112, जनवरी–मार्च, 2023 पृ. 52–60

UGC Care Listed Journal
ISSN 0974 -1100

उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में अपना दल (सोनेलाल)-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

रानी गुप्ता
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरू घसीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर
Email- anukritirani1571996@gmail.com Mb. 8707331250

डॉ. सांत्वना पाण्डे
सहा.प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरू घसीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर

सारांश

उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का पाँचवां बड़ा राज्य एवं जनसंख्या की दृष्टि से पहला राज्य है। उत्तर प्रदेश में विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, समुदाय, नस्ल, एवं क्षेत्र के लोग रहते हैं, तथा ये उत्तर प्रदेश में बहुल समाज की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। सांस्कृतिक बहुलवाद, क्षेत्रीय और आर्थिक असंतुलन के साथ इन कारकों की राजनीतिक विविधता ना केवल राष्ट्रीय राजनीतिक विविधता को जन्म देती है, बल्कि यह केन्द्र से राज्य तक प्रवेश करते हुए क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का भी गठन करती है। स्वंतत्रता उपरांत उत्तर प्रदेश में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ। जिन्होंने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर की राजनीति को निरन्तर प्रभावित किया है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश को चार क्षेत्रों में विभाजित किया गया है– पश्चिमी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र (पूर्वांचल) एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र। अंतिम दो क्षेत्रों को आधिकारिक तौर पर पिछड़ा क्षेत्र घोषित किया गया है। यह क्षेत्रीय विभाजन वर्तमान राजनीति में भी प्रयोग की जा रही है। प्रस्तुत शोध पत्र 'उत्तर प्रदेश की राजनीति' में पूर्वांचल क्षेत्र में जाति की राजनीति तथा सामाजिक न्याय पर आधारित एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल का अध्ययन है। जो 'उत्तर प्रदेश की राजनीति' में एक नया राजनीतिक प्रतिमान स्थापित कर रहा है। अन्य राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के प्रभाव को भी कम कर रहा है, साथ ही एक नये राज्यस्तरीय (क्षेत्रीय) राजनीतिक दल के रूप में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है।

मुख्य शब्द – अपना दल (सोनेलाल), राजनीतिक दल, क्षेत्रीय दल, लोकतंत्र, सामाजिक–न्याय, जाति की राजनीति।

प्रस्तावना

भारत एक लोकतांत्रिक देश है। राजनीतिक दल लोकतंत्र की आवश्यक संस्था हैं। बिना राजनीतिक दलों के लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं हो सकता, न तो सिद्धांतों की संगठित अभिव्यक्ति एवं न ही नीतियों का व्यवस्थित विकास हो सकता है। (सईद, 2016). राजनीतिक दलों का मूल उद्देश्य राजनीतिक सत्ता को प्राप्त करना होता है। पिछले कुछ दशकों से उत्तर प्रदेश की राजनीति में पहचान की राजनीति, विकास की राजनीति, जाति की राजनीति एवं सामाजिक न्याय पर आधारित क्षेत्रीय राजनीतिक दल अपना प्रभुत्व स्थापित कर रहे हैं। जो वर्तमान समय में राष्ट्रीय दल एवं अन्य वृहद क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के विफलता का संकेत है। ये एकल जाति क्षेत्रीय राजनीतिक दल कुछ सामाजिक हित समूह के साथ कार्य कर रही है एवं अब राष्ट्रीय दलों के लिए वोट बैंक बनने को तैयार नहीं है। योगेन्द्र यादव ने अपने लेख ''डेमोक्रेटिक अपसर्ज (Democratic Upsurge)'' के अंतर्गत भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद दो लोकतान्त्रिक उत्थानों का वर्णन किया है। जिसमें पहला लोकतान्त्रिक उत्थान 1960 के दशक के अंत में हुआ जबकि दूसरा लोकतांत्रिक उत्थान 1996–1998 के दौरान हुआ। पहले ने ओ.बी.सी. की अधिक चुनावी लामबंदी के कारण कांग्रेस प्रणाली के अंत की शुरुआत का संकेत दिया, जहाँ दूसरे लोकतांत्रिक उतार–चढ़ाव ने अधिक राजनीतिक विकल्पों की उपलब्धता का संकेत दिया। ए.के. वर्मा द्वारा अपने लेख ''थर्ड डेमोक्रेटिक अपसर्ज इन उत्तर प्रदेश'' में तीसरे लोकतांत्रिक उत्थान का वर्णन किया गया है, जिसकी शुरुआत 2009 से ही देखी गई। इस लेख में लघु राजनीतिक दलों का भी उल्लेख किया गया है। इन राजनीतिक दलों का राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर सकारात्मक प्रभाव रहता है। (वर्मा, 2016)

उत्तर प्रदेश की राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की स्थिति राष्ट्रीय दलों की अपेक्षा बहुत ही सही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में विभाजन, क्षेत्रीय अस्मिता की समस्या, राष्ट्रीय दलों द्वारा क्षेत्रीय मुद्दो को नजरंदाज कर दिए जाने एवं क्षेत्रीय हितों की पूर्ति के कारण शुरू हुआ। उत्तर प्रदेश में 1967 में सर्वप्रथम गैर–कांग्रेसी सरकार बनी, जो चौधरी चरण सिंह की पार्टी भारतीय क्रांति दल थी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में राष्ट्रीय लोकदल, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, अपना दल (सोनेलाल), अपना दल (कमेरावाद), सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी आदि क्षेत्रीय राजनीतिक दल सक्रिय है। जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर की राजनीति को प्रभावित करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रस्तुत शोध–पत्र में उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में अपना दल (सोनेलाल) के उदय, स्थिति एवं प्रभाव का अध्ययन किया गया है। अपना दल (सोनेलाल) सामाजिक न्याय एवं शोषितों के हित पर आधारित एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल है। जो केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल जी द्वारा संचालित है।

साहित्यिक समीक्षा

ए.के. वर्मा द्वारा लिखित लेख, ''थर्ड डेमोक्रेटिक अपसर्ज इन उत्तर प्रदेश (2016)'' में उत्तर प्रदेश के तीसरे लोकतांत्रिक उत्थान का वर्णन है। इस लेख में छोटे एवं मार्जन्लाइज्ड क्षेत्रीय दलों के उदय का वर्णन किया गया है। इन दलों का उत्तर प्रदेश के तीसरी लोकतांत्रिक उत्थान (Third Democratic Upsurge) में सकारात्मक प्रभाव रहा है।

एस. जी द्वारा लिखित लेख, ''उत्तर प्रदेश : राइज ऑफ स्मॉलर पार्टीज (1999)'' के अन्तर्गत छोटे एवं एकल जाति पर आधारित क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उदय का वर्णन है। जिसमे डॉ. सोनेलाल पटेल द्वारा स्थापित पार्टी अपना दल एवं डॉ. प्रेमचन्द्र बिन्द द्वारा गठित पार्टी प्रगतिशील मानव समाज पार्टी का वर्णन किया गया है। सुहास पाल्शीकर द्वारा लिखित लेख, ''बियांड उत्तर प्रदेश न्यू इंप्लीकेशंस फॉर पार्टी पॉलिटिक्स (2007)'' में उत्तर प्रदेश की दलीय राजनीति का वर्णन है। उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय राजनीतिक दल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के 'दलित राजनीति' का उल्लेख किया गया है। संजय कुमार द्विवेदी द्वारा लिखित लेख, ''इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ पॉलिटिक्स इन उत्तर प्रदेश (2011)'' के अन्तर्गत बताया गया है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक में नब्बे के दशक में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ तथा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव (2007) में कई राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला।

उद्देश्य – प्रस्तुत शोध–पत्र के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

1. अपना दल (सोनेलाल) के उद्भव का अध्ययन करना।
2. उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में अपना दल (सोनेलाल) की स्थिति एवं प्रभाव का अध्ययन करना।

अपना दल (सोनेलाल) का उदय

उत्तर प्रदेश में यादवों के बाद पिछड़े वर्ग में सबसे बड़ी जनसंख्या कुर्मी समाज की है। इनकी संख्या लगभग 6 फिसदी है। उत्तर प्रदेश का पूर्वी क्षेत्र या जिसे पूर्वांचल के नाम से जाना जाता है, कुर्मी बाहुल्य है। अपना दल (सोनेलाल), उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में सक्रिय एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल है। अपना दल (सोनेलाल) का काफी लम्बा इतिहास रहा है। 2016 में अपना दल (सोनेलाल), अपना दल से विघटित हुई पार्टी है। सन् 1995 में डॉक्टर सोनेलाल पटेल एवं बलिहारी पटेल ने साथ मिलकर अपना दल का गठन किया। अपना दल की स्थापना से पूर्व डॉ. सोनेलाल पटेल बहुजन समाज पार्टी में थे। परन्तु बसपा संस्थापक कांशीराम से कुछ बातों पर मत–भेद के कारण डॉ. सोनेलाल बसपा से सम्बन्ध समाप्त कर, सामाजिक न्याय पर आधारित, समाज के दबे–कुचले कमजोरों तथा पिछड़ों को लेकर अपना दल नामक एक राजनीतिक दल की नींव रखी। अपना दल के गठन के पूर्व डॉ. सोनेलाल द्वारा लखनऊ के बेगम हजरत महल पार्क में एक कुर्मी क्षेत्रीय महारैली का आयोजन किया गया। जिसमें बहुत बड़ी संख्या में जनता इकट्ठा हुई। बाद में इस रैली को बी.बी.सी. न्यूज द्वारा सबसे बड़ी जातीय रैली कहा गया। यही जातीय रैली अपना दल के स्थापना का आधार बनी। लोकतंत्र में 'सामाजिक न्याय' एक ऐसी संकल्पना है जिसमें बिना जाति, रूप–रंग, वर्ग, लिंग, संप्रदाय, धर्म, वंश व वेश–भूषा स्थान आदि विभेद के सर्वांगीण विकास करना है। सामाजिक न्याय में सभी क्षेत्रों जैसे सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं तकनीकि का समागम होता है। जिससे व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास हेतु कोई बाँधा उत्पन्न ना हो सके।

डॉ. सोनेलाल पटेल उत्तर प्रदेश के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र एवं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार चुनाव लड़ते रहे। परन्तु जीत प्राप्त नही कर सके। सन् 2009 में डॉक्टर सोनेलाल पटेल फूलपुर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से लोकसभा चुनाव लड़े, वहाँ भी सोनेलाल को हार ही

मिली। सन् 2009 में ही डॉ. सोनेलाल पटेल की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई। तदोपरांत अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनेलाल की पत्नी कृष्णा पटेल बनी। डॉ. सोनेलाल पटेल की पुत्री अनुप्रिया पटेल 16वीं विधानसभा निर्वाचन (2012) में वाराणसी के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई। सन् 2014 में अपना दल का भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन हुआ। अनुप्रिया पटेल वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र में विधायक रहते हुए, 16वीं लोकसभा चुनाव (2014) में मिर्जापुर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से निर्वाचित हुई एवं लोकसभा की सदस्य बनीं। अनुप्रिया पटेल के लोकसभा सदस्य बनने के बाद रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के लिए अपना दल में उम्मीदवार को लेकर कृष्णा पटेल और अनुप्रिया पटेल के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ। बाद में अपना दल की पार्टी दो दलों में विभाजित हो गयी– पहला, कृष्णा पटेल के नेतृत्व में अपना दल (कमेरावादी) एवं दूसरा, अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में अपना दल (सोनेलाल)। अपना दल (सोनेलाल) की स्थापना जवाहर लाल पटेल द्वारा 2016 में की गई, तथा अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल बनी। अपना दल (सोनेलाल) का विचार सामाजिक न्याय की विचारधारा पर आधारित है। अनुप्रिया पटेल सन् 2016 से 2019 तक भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री थीं। अनुप्रिया पटेल अपना दल (सोनेलाल) की पार्टी से सत्रहवीं लोकसभा (2019) में मिर्जापुर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से पुनः निर्वाचित हुई। अपना दल (सोनेलाल) को मुख्य रूप से वाराणसी–मिर्जापुर क्षेत्र के ओ.बी.सी. समुदायों का समर्थन मिलता है। अनुप्रिया पटेल वर्तमान में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की राज्य मंत्री हैं। अपना दल (सोनेलाल) ने 2022 के विधानसभा चुनाव में एक छोटे राजनीतिक दल से राज्य स्तरीय पार्टी का सफर तय किया है।

तालिका क्र0 1

उत्तर प्रदेश के 17वीं विधानसभा में राजनीतिक दलों का प्रदर्शन (2017)

क्रं.	राजनीतिक दलों के नाम	सीटों की संख्या
1.	भारतीय जनता पार्टी	303
2.	समाजवादी पार्टी	47
3.	बहुजन समाज पार्टी	14
4.	अपना दल (सोनेलाल)	9
5.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	6
6.	सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	4
7.	निर्दलीय	3
8.	असम्बद्ध सदस्य	2
9.	निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल	1
	योग	**390**

स्त्रोत– http://uplegisassembly.gov.in/Members/main_members_en- asp´#/ElectedMembers/17

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि अपना दल (सोनेलाल) उत्तर प्रदेश के 17वीं विधानसभा निर्वाचन (2017) में तीसरी बड़ी क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभर कर प्रकट हुई है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा के कुल सीटों में भाजपा 303, समाजवादी पार्टी 47 तथा बहुजन समाज पार्टी 14 सीट प्राप्त कर अपना दल (सोनेलाल) की पार्टी से आगे रहे। बसपा तथा अपना दल (सोनेलाल) के द्वारा प्राप्त सीटों में बहुत अंतर नही है। जहाँ अपना दल (सोनेलाल) को 17 वीं विधानसभा निर्वाचन में 9 सीटें प्राप्त हुई, वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 6 ही सीटे प्राप्त हो सकी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एक राष्ट्रीय दल होते हुए भी अपना दल (सोनेलाल) से पीछे रहा।

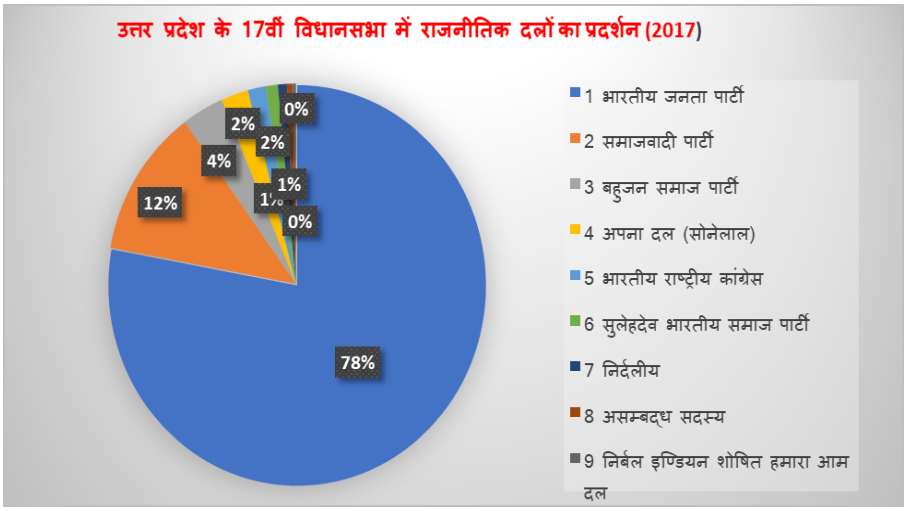

तालिका क्र. 2

उत्तर प्रदेश के सत्रहवीं विधानसभा निर्वाचन (2017) में अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य

क्रं.	सदस्य का नाम	विधानसभा क्षेत्र	जिला	मत	मत दर प्रतिशत	अंतर
1.	अमरसिंह चौधरी	शोहरतगढ़	सिद्धार्थ नगर	67,655	36.23	22,124
2.	जमुनाप्रसाद सरोज	सोरांव	इलाहबाद	77,814	36.59	17,735
3.	जयकुमार सिंह	जहानाबाद	फतेहपुर	81,438	44.87	47,606
4.	नीलरतन सिंह पटेल	सेवापुरी	वाराणसी	1,03,427	50.08	49,182
5.	आर.के.वर्मा	विश्वनाथगंज	प्रतापगढ़	81,899	41.65	23,358
6.	राहुल प्रकाश	छानबे	मिर्जापुर	1,07,007	49.59	63,468
7.	लीना तिवारी	मारीयाहूं	जौनपुर	58,804	32.66	11,350
8.	हरीराम	दुद्धी	सोनभद्र	64,399	32.76	1,085
9.	राजकुमार पाल	प्रतापगढ़	प्रतापगढ़	80,828	43.65	34,554

स्त्रोत– http://uplegisassembly.gov.in/Members/main_members_en- asp´#/ElectedMembers/17

तालिका क्रमांक 2 में उत्तर प्रदेश के 17वीं विधानसभा निर्वाचन में अपना दल (सोनेलाल) के निर्वाचित सदस्यों का विवरण है। अपना दल (सोनेलाल) राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की एक बड़ी सहयोगी दल है। 17वीं विधानसभा निर्वाचन में अपना दल सोनेलाल को 11 सीटें प्राप्त हुई जिसमें से इसने 9 सीट पर जीत हासिल की। सिद्धार्थ नगर, इलाहाबाद, वाराणसी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, जौनपुर एवं सोनभद्र जिले के विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए हैं।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अपना दल (सोनेलाल) की स्थिति

अपना दल सोनेलाल को वर्तमान समय में तीसरी राज्य स्तरीय राजनीतिक पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अपना दल सोनेलाल की स्थिति एवं प्रभाव अन्य छोटे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की अपेक्षा बहुत ही अच्छी है। अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में पार्टी बहुत कम समय में ही व्यापक रूप से विस्तार की है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक पटल पर पार्टी का प्रभाव है। अपना दल (सोनेलाल) की पार्टी राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक गठबंधन के साथ मिलकर राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर निरन्तर कार्य कर रही है।

2019 में हुई लोकसभा निर्वाचन में अपना दल सोनेलाल को लोकसभा में दो सीटें प्राप्त हुई जो तालिका क्र. 3 में वर्णित किया गया है –

तालिका क्र. 3

सत्रहवीं लोकसभा (2019) में अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य

क्र.	सदस्य के नाम	निर्वाचन क्षेत्र	दल
1.	अनुप्रिया पटेल	मिर्जापुर	अपना दल (सोनेलाल)
2.	पकौड़ी लाल	राबर्टस्गंज	अपना दल (सोनेलाल)

अपना दल सोनेलाल की पार्टी ने सत्रहवीं लोकसभा में दो सीटों पर चुनाव लड़ा और दोनों ही सीटों पर निर्वाचित हुए। अपना दल सोनेलाल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सासंद हुई तथा पकौड़ी लाल राबर्ट्सगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सासंद हुए। अनुप्रिया पटेल को वर्तमान सरकार के मंत्रिमंडल में 7 जुलाई 2021 से वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री का स्थान भी प्राप्त है।

तालिका क्र0 4

उत्तर प्रदेश के 18वीं विधानसभा में राजनीतिक दलों का प्रदर्शन (2022)

क्र.	राजनीतिक दलों के नाम	सीटों की संख्या
1.	भारतीय जनता पार्टी	255
2.	समाजवादी पार्टी	111
3.	अपना दल (सोनेलाल)	12
4.	राष्ट्रीय लोकदल	8
5.	निर्बल भारतीय शोषित हमारा आम दल	6
6.	सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	6
7.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	2

क्रं.	राजनीतिक दलों के नाम	सीटों की संख्या
8.	जनता दल लोकतांत्रिक	2
9.	बहुजन समाज पार्टी	1
	योग	**403**

उपर्युक्त तालिका के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के अठारहवीं विधानसभा निर्वाचन (2022) में राजनीतिक दलों के द्वारा प्राप्त सीटों का विवरण है। जहाँ अपना दल सोनेलाल एक लघु क्षेत्रीय राजनीतिक दल होते हुए भी राष्ट्रीय राजनीतिक दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं बहुजन समाज पार्टी से आगे रही। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं बहुजन समाज पार्टी को क्रमशः दो एवं एक सीटें प्राप्त हुई वहीं अपना दल सोनेलाल को 12 सीटें प्राप्त हुई। अपना दल (सोनेलाल) को राज्यस्तरीय राजनीतिक दल की स्थिति प्राप्त हुई। 18वीं विधानसभा निर्वाचन में अपना दल (सोनेलाल) को 18 सीटों पर चुनाव लड़ना था, परन्तु प्रतापगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपना दल (कमेरावाद) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अनुप्रिया पटेल की माता कृश्णा पटेल उम्मीदवार के रूप में सामने आयी। पारिवारिक मतभेद के कारण अनुप्रिया पटेल प्रतापगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपना दल (सोनेलाल) के उम्मीदवार का नाम वापस ले लेती है। जबकि 17वीं विधानसभा निर्वाचन (2017) में अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य की ही जीत हुई थी। तालिका क्रमांक 5. में अपना दल (सोनेलाल) के अठारहवीं विधानसभा निर्वाचन में निर्वाचित सदस्यों का विवरण दिया गया है।

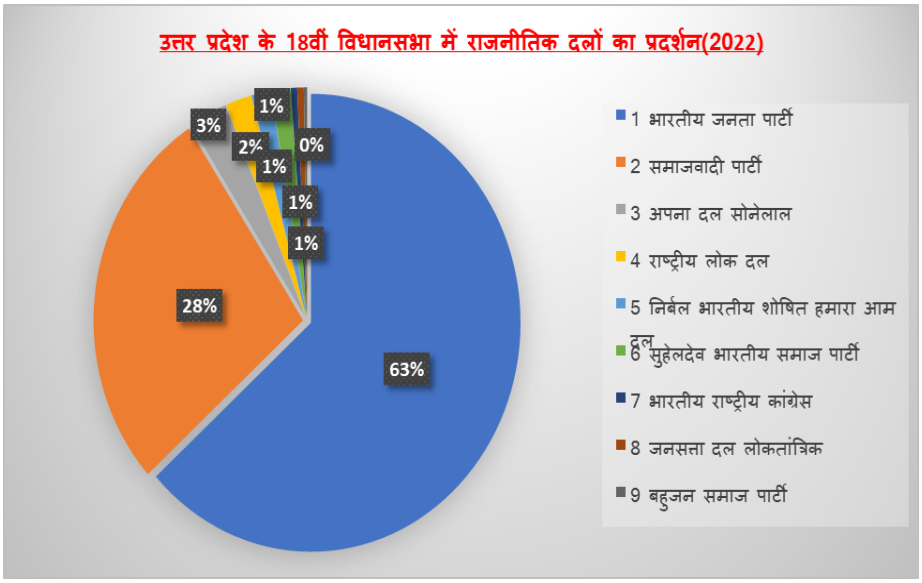

तालिका क्र0 5

उत्तर प्रदेश के अठारहवीं विधानसभा (2022) निर्वाचन में अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य

क्रं.	सदस्य का नाम	विधानसभा क्षेत्र	जिला	मत	मत दर प्रतिशत	अंतर
1.	वाचस्पति	बारा	प्रयागराज	89,203	43.49	12,524
2.	जयकुमार सिंह	बिंदकी	फतेहपुर	78,165	40.96	3,797
3.	सरोज कुरील	घाटमपुर	कानपुर	81,727	41.60	14,474
4.	डॉ.सुरभी	कैमगंज	फर्रूखाबाद	1,14,952	47.65	18,543
5.	रश्मि आर्य	माऊरानी	झांसी	1,43,577	51.83	58,595
6.	विनय वर्मा	शोहरतगढ़	सिद्धार्थ नगर	71,062	37.46	24,463
7.	जीतलाल	विश्वनाथगंज	प्रतापगढ़	86,829	43.21	48,052
8.	डॉ.सुनील पटेल	रोहनिया	वाराणसी	1,18,663	48.08	46,472
9.	श्राम निवास वर्मा	नानपारा	बहराइच	87,689	43.91	12,184
10.	राहुल प्रकाश	छानबे	मिर्जापुर	1,02,502	47.29	38,113
11.	डॉ.आर.के.पटेल	मारीयाहू	जौनपुर	76,007	39.25	1,206
12.	अविनाशचन्द्र	मानिकपुर	चित्रकुट	73,132	35.17	1,048

स्त्रोत– http://uplegisassembly.gov.in/Members/main_members_en- asp´#/ElectedMembers/17

उत्तर प्रदेश के 17 वीं एवं 18वीं विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मारीयाहूं, सिद्धार्थ नगर जिले के शोहरतगढ़, मिर्जापुर जिले के छानबे एवं प्रतापगढ़ जिले के विश्वनाथ गंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में लगातार दो बार से अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य विधायक रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री एवं अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल पिछड़ा वर्ग एवं दबे–कुचले, वंचित वर्ग की एक नेता हैं। अनुप्रिया पटेल पिछड़े वर्ग से सम्बन्धित कई विषयों पर मुखर हो अपनी बात रखी हैं। अनुप्रिया पटेल ने पिछड़ा वर्ग मंत्रालय बनाने की माँग की। संसद में जाति जनगणना की भी माँग की। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शिक्षक भर्ती प्रक्रिया एवं नीट (NEET) में पिछड़े वर्ग के आरक्षण का मुद्दा उठाया तथा इसे लागू करवाने एवं केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 200 प्वाइंट रोस्टर सिस्टम को पुनः लागू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

निष्कर्ष

यह शोध पत्र उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपना दल सोनेलाल के उदय, स्थितियाँ एवं प्रभाव के अध्ययन पर प्रकाश डालता है। अपना दल (सोनेलाल) सामाजिक न्याय की विचाध ाारा की राजनीति करता है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में तीव्र गति से प्रगति कर रहा है। यह दल फरवरी–मार्च 2022 में हुए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में राज्य की तीसरी पार्टी के रूप में सामने आया है। अपना दल (सोनेलाल) पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक प्रभावशाली राज्य स्तरीय राजनीतिक दल है। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल उत्तर प्रदेश

के मिर्जापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 2014 एवं 2019 में लगातार दो बार सांसद निर्वाचित हुई है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा में अपना दल सोनेलाल के सदस्यों की संख्या बढ़ रही है। विधान परिषद में भी अपना दल (सोनेलाल) के सदस्य हैं। वर्तमान समय में अपना दल (सोनेलाल) का प्रभाव एवं स्वीकार्यता बढ़ा है। धीरे–धीरे अपना दल (सोनेलाल) का स्वरूप उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक विस्तृत आकार ले रहा है। भवि य में अपना दल (सोनेलाल) उत्तर प्रदेश की एक वृहद् क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में प्रकट होगा एवं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

❐

सन्दर्भ –

1. *ब्रांकटी, डॉन. (2008). द ऑरिजिंस एण्ड स्ट्रैंथ्स ऑफ रिजनल पार्टीज. ब्रिटिश जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस. 38. 135–159. https://www.jstor. org/stable/27568336*
2. *द्विवेदी, संजय कुमार. (2011), इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ पॉलिटिक्स इन उत्तर प्रदेश. द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस. 72. 773–780. https://www.jstor.org/ stable/41858851*
3. *नारायण, बद्री. (2015). डेमोक्रेसी एण्ड आईडेंटिटी पॉलिटिक्स इन इंडिया इज इट अ स्नेक ऑर अ रोप?. इकॉनोमी एण्ड पॉलिटिकल वीकली. 50. 61–65. https://www.jstor.org/stable/24482067*
4. *पाई, सुधा. (1989). टुवर्ड्स अ थियोरेटिकल फ्रेमवर्क फॉर स्टडी ऑफ द स्टेट पॉलिटिक्स इन इंडिया. इंडियन पॉलिटिकल साइंस असोसिएशन. 50. 94–109. https://www.jstor.org/stable/41855409*
5. *सिंह, अजित कुमार. (2016). द डिमांड फॉर डिवीजन ऑफ उत्तर प्रदेश एण्ड इट्स इंप्लिकेशंस. इकोनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली. 51. 124–129. https://www.jstor. org/stable/44166057*
6. *पाई, सुधा (1990). रीजनल पार्टीज एण्ड द इमर्जिंग पैटर्न ऑफ पॉलिटिक्स इन इंडिया. इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस. 51. 393–415. https://www.jstor. org/stable/41855505*
7. *व्यॉट, एंड्रयू (2019). स्मॉल पार्टीज एण्ड द फेडरल स्ट्रक्चर ऑफ द इंडियन स्टेट. राउटलेज टेलर एण्ड फ्रांसिस ग्रुप. 27. 66–72. https://doi.org/10.1080/09584935. 2019.1574713*
8. *वर्मा, ए0के0 (2017). थर्ड डेमोक्रेसी अपसर्ज इन उत्तर प्रदेश. इकोनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली. 51. 44–49. https:// www.jstor.org/stable /44166050*